भारत सरकार के राष्ट्रीय जनजाति आयोग द्वारा

'कीस' को मिला ''लिडरशिप अवार्ड''

19फरवरी को नई दिल्ली में भारत सरकार के राष्ट्रीय जनजाति आयोग द्वारा आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति श्री एम वैकेया नायडु द्वारा ओडिशा,भुवनेश्वर स्थित कलिंग इंस्टीट्यूट आफ सोसलसाइंसेज;केआईएसएस,कीस को 'लिडरशिप अवार्ड' प्रदान किया गया। कीस की ओर से कीट–कीस के संस्थापक डा अच्युत सामंत ने यह अवार्ड भारत के महामहिम उपराष्ट्रपति श्री एम वैकेया नायडु के हाथों से ग्रहण किया। अवार्ड में डा अच्युत सामंत को लिडरशिप अवार्ड,मानपत्र,पदक और शॉल आदि प्रदान किया। इस अवसर पर भारत सरकार के केन्द्रीय आदिवासी कल्याण मंत्री श्री जुअेल ओरांव, राष्ट्रीय जनजाति आयोग के चेयरपरशन एमएस. अनुसुइया युके तथा अनेक गणमान्य आमंत्रित अतिथिगण उपस्थित थे।गौरतलब है कि भारत सरकार का राष्ट्रीय जनजाति आयोग शिक्षा के माध्यम से आदिवासी समुदाय के विकास के लिए उत्कृष्ट कार्य करनेवाले किसी भी स्कूल,कालेज और विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट कार्य के मान्यता स्वरुप यह लिडरशिप अवार्ड प्रतिवर्ष प्रदान करता है। 'कीस' एकमात्र ऐसा अद्वितीय शैक्षिक संस्थान है जो शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने में कामयाब है और जिसका पूरा श्रेय 'कीस' के संस्थापक प्रोफेसर अच्युत सामंत को जाता है जिन्होंने 1992–93 में मात्र पांच हजार रुपये की अपनी जमा पूंजी से 'कीस' की स्थापना की जो आज विश्व का सबसे बड़ा आदिवासी आवासीय विद्यालय है और जो लगभग 50हजार से भी अधिक आदिवासी बच्चों का 'अपना घर' है। प्रोफेसर अच्युत सामंत,संस्थापक की ओर से कीस में केजी कक्षा से लेकर पीजी कक्षा तक समस्त आवासीय सह शैक्षिक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध है। आज कीस में कुल 27हजार 500 से भी अधिक आदिवासी बच्चे उत्कृष्ट तालीम प्राप्त कर रहे हैं। अबतक कीस के पढ़कर कुल 15हजार आदिवासी बच्चे अच्छी नौकरी कर रहे हैं और 10हजार से भी अधिक आदिवासी बच्चे कीस की विभिन्न शाखाओं में कार्यरत हैं। कीट–कीस के संस्थापक प्रोफेसर अच्युत सामंत ने लिडरशिप अवार्ड प्राप्त करते ही यह उद्घोषणा की इस अवार्ड को वे कीस के आदिवासी बच्चों,उनके शिक्षकों एव कीस प्रबंधन से जुड़े सभी को समर्पित करते हैं। 'कीस' के उल्लेखनीय और प्रशंसनीय असाधारण उत्कृष्ट कार्यों की मान्यता स्वरुप पहली बार मिला यह भारत सरकार के राष्ट्रीय जनजाति आयोग का 'लिडरशिप अवार्ड' निश्चित रुप से 'कीस' के लिए उत्साहवर्द्धक है।